सुनले ओ खाटू वाले | by Namrata Karwa

सुनले ओ खाटू वाले दुनिया के हैं सताये
सबने रुलाया मुझको एक तू ही तो हंसाये
सुनले ओ खाटूवाले .....

जीवन की तकलीफो में कोई ना काम आया
समझा था जिसको भी अपना वो ही देख मुस्कुराया
रिश्तो के रास्ते भी थे मुझको बंद पाए
सुनले ओ खाटूवाले .....

तेरी दया से मोहन सुधरा है मेरा जीवन
मावस सी काली रात को तूने किया है रोशन
इस नभ के चाँद तारे तुम से ही जगमगाये
सुनले ओ खाटूवाले .....

हारे हुए का तुम हो कलयुग में एक सहारा
जिसने किया भरोसा जिसने तुझे पुकारा
राजू सदा ही ऐसे गुणगान तेरा गाये
सुनले ओ खाटूवाले .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%93-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-namrata-karwa/